

(iii) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण -

वे अव्यय शब्द जो किसी क्रिया के पूर्व प्रयुक्त होकर उसकी मात्रा का बोध कराते हैं, परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं-

जैसे- छोटा बच्चा थोड़ा खाता है।  
 अजय बहुत खाता है।

मेरे घर के सभी सदस्य थोड़ा-थोड़ा खाते हैं।

मेरे भाई का मित्र बहुत खाता है।

वह ज़रा-सा खाकर चला गया।

विशेष - परिमाणवाचक क्रियाविशेषण की पहचान के लिए वाक्य में प्रयुक्त क्रिया से 'कितना' के द्वारा प्रश्न किया जाता है।

## (iv) रीतिवाचक क्रियाविशेषण:-

वे अव्यय शब्द जो किसी

क्रिया के पूर्व प्रयुक्त होकर उसके होने की रीति/ढंग/तरीके का बोध कराते हैं, रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं-

जैसे- चेतक घोड़ा तेज दौड़ता है।

अमित धीरे-धीरे मिथता है।



वह अचानक चला गया। मैं सहसा आ गया था।

विजय बहुत तेज दौड़ता है। मीना धीरे-धीरे हँसती है।

विशेष- रीतिवाचक क्रियाविशेषण की पहचान के लिए वाक्य में प्रयुक्त क्रिया से 'कैसे' के द्वारा प्रश्न किया जाता है।

## ② सम्बन्ध बोधक अव्यय-

वे अव्यय शब्द जो दो संज्ञाओं के बीच स्पष्ट सम्बन्ध का बोध कराते हैं, सम्बन्ध बोधक अव्यय कहलाते हैं-

जैसे- घर के आगे मंदिर है। विद्यालय के सामने बगीचा है।  
रमा के पीछे श्यामा चल रही है। अजय के आगे विजय खड़ा है।

क्रिया विशेषण और सम्बन्ध बोधक अव्यय में अंतर:-

कुछ अव्यय शब्द ऐसे होते हैं,

जिनका प्रयोग क्रियाविशेषण और सम्बन्ध बोधक अव्यय दोनों में किया जाता है, यदि किसी क्रिया की विशेषण का बोध कराएंगे तो क्रियाविशेषण कहलाते हैं और यदि दो सँज्ञा/सर्वनामों के बीच सम्बन्ध का बोध कराएंगे, सम्बन्ध बोधक अव्यय कहलाते हैं।



जैसे- बच्चा नीचे खेल रहा है।-स्थानवाचक क्रियाविशेषण  
 बच्चा पेड़ के नीचे खेल रहा है।-सम्बन्धबोधक अव्यय  
 अजय सामने घूम रहा है।-स्थानवाचक क्रियाविशेषण  
 अजय घर के सामने घूम रहा है।-सम्बन्धबोधक अव्यय  
 वह बाहर बैठा है।-स्थानवाचक क्रियाविशेषण  
 वह कमरे के बाहर बैठा है।-सम्बन्धबोधक अव्यय